प्रेस ब्रीफ

तटरक्षक दिवस 2017

भारतीय तटरक्षक 01 फरवरी, 2017 को अपनी 40वीं वर्षगांठ मना रहा है। वर्ष 1978 में मात्र 7 पोतों के साथ में अपनी साधारण शुरूआत के साथ, आज सेवा 42 स्टेशनों, 126 पोतों और 62 वायुयानों के साथ एक मजबूत बल के रूप में विकसित हो गयी है। इस दशक के अंत तक, तटरक्षक की इनवेंटरी में 150 पोत और 100 वायुयान होने की संभावना है।

विश्व के चौथे सबसे बड़े तटरक्षक के रूप में, भारतीय तटरक्षक, भारतीय तटों की सुरक्षा करने ओर भारतीय समुद्री क्षेत्रों में विनियमों को लागू करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने आदर्श वाक्य "वयम् रक्षामः" जिसका अर्थ है "हम रक्षा करते हैं" की सार्थकता को बनाये रखते हुए, सेवा ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक 7,539 जीवन का बचाव किया है तथा 13,124 अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। भारतीय तटवर्ती क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बनाये रखने के साथ, सेवा ने एक मज़बूत तटीय सुरक्षा तंत्र की व्यवस्था की है, जिसके परिणामस्वरूप स्थापना से अब तक लगभग

1130 करोड़ रुपए ओर पिछले दो वर्षों में लगभग 600 करोड़ रुपए की निषिद्ध वस्तुओं को जब्त किया गया है।

निर्णयन प्रक्रिया में सहयोगी दृष्टिकोण को अंगीकार करने संबंधी माननीय प्रधान मंत्री जी की संकल्पना के अनुरूप, पहली बार 'अधीनस्थ अधिकारियों का सम्मेलन' आयोजित किया गया, जिसमें मध्यम स्तरीय प्रबंधन की विचार-प्रक्रिया और अभिमतों को सेवा की विकास योजना में शामिल किया गया। इसके अलावा, महिला सशक्तीकरण के प्रयोजनार्थ, भारतीय तटरक्षक ने पोत और वायुयान दोनों प्रकार की परिसंपत्तियों में सैन्य कर्तव्यों के निष्पादन के लिए महिला अफसरों को परिनियोजित किया है।

माननीय राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और रक्षा मंत्री ने अपने संदेशों में भारतीय तटरक्षक को राष्ट्र की सेवा के लिए 40 गौरवशाली वर्ष पूर्ण करने पर बधाई दी है तथा उन्होंने समुद्री क्षेत्रों में राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वूपर्ण भूमिका निभाने के लिए सेवा की सराहना की है।

तटरक्षक दिवस के अवसर पर पारंपरिक तटरक्षक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय रक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष भामरे ने समारोह की शोभा बढ़ायी। इस अवसर पर रक्षा मंत्रालय तथा अन्य सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों भी उपस्थित थे।